हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 33 .4 डिग्री
न्यूनतम 25 .1 डिग्री

10 पगड़ी संभाल जट्टा ने कैमरी में फूंका पुतला, जताया रोष

10 ग्रीन बेल्ट 2 में चलाया पौधरोपण एवं सफाई अभियान

खबर संक्षेप

एनएसएस वालंटियर्स ने कैंप में किया श्रमदान

हिसार। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी संतोष ओला की देखरेख में हुआ। एनएसएस के वालंटियर्स ने स्कूल में पौधरोपण किया और साफ-सफाई का श्रमदान कर खाली ग्राउंड में घास लगाने में मदद की। एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी संतोष ओला ने बताया कि शिविर में अनेक तरह की गतिविधियां करवाई गई। विद्यार्थियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य समाज सेवा के प्रति जागरुक करना है। इसलिए हमारे अंदर सेवा व सहयोग की भावना होनी चाहिए।

शनिवार सुबह से लापता था तीन बच्चों का पिता

ड्रेन में कार पलटने से हुई स्कूल चपरासी की मौत, शव बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

मुजादपुर गांव के समीप स्थित ड्रेन में कार पलटने से एक युवक की मौत हो गई। ग्रामीणों ने एक सफेद रंग की अल्टो कार को ड्रेन में पलटा हुआ देखा तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 पर दी।

ड्रेन में कार पलटे होने की सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कार को ड्रेन से बाहर निकलवाया। कार के अंदर युवक की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

- शनिवार से ही बंद आ रहा था मृतक का मोबाइल फोन

पुलिस ने कार नंबर के आधार पर कार मालिक को फोन मिला कर पूछताछ की तो मृतक की पहचान डाया गांव निवासी 41 वर्षीय सूरजभान के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हिसार रेफर कर दिया।

हांसी। ड्रेन में गिरी कार। फोटो : हरिभूमि

नागरिक अस्पताल में मौजूद मृतक के भाई रमेश कुमार ने बताया कि उसका भाई सूरजभान शनिवार सुबह कंवारी गांव जाने की बात कह कर घर से निकला था और उसके बाद सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। उसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया था। रमेश ने बताया कि जब वह देर रात तक घर वापस नहीं लौटा और उसका फोन भी बंद आ रहा था तो मंगाली पुलिस चौकी में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई थी।

रमेश ने बताया कि उसके भाई की किसी के दुश्मनी, रंजिश या झगड़ा नहीं था और उन्हें किसी पर कोई संदेह नहीं है।

रमेश ने आशंका जताई कि कंवारी गांव से वापस लौटते समय कार असंतुलित होकर ड्रेन में गिर गई होगी और उसकी खिड़की नहीं खुलने की वजह से उसकी मौत हो गई।उन्होंने बताया कि सूरजभान गांव के ही सरकारी हाई स्कूल में चपरासी के पद पर तैनात था और उसके तीन बच्चे हैं।

कार नंबर से पहचान

सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि ड्रेन में कार गिरे होने की सूचना पर वह पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे थे और कार के नंबर के आधार पर मृतक की पहचान डाया निवासी सूरजभान के रूप में हुई है। फोरेंसिक टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया था लेकिन चिकित्सकों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हिसार रेफर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि परिजन जैसा बयान देंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ठेका हटाने की मांग पर धरना जारी, भजनों से गूंजा धरनास्थल

हिसार। धरनास्थल पर भजन गाते विभिन्न भजन मंडलों के पदाधिकारी व सदस्य।

हिसार। महाराजा अग्रसेन मार्केट में शराब ठेका के विरोध में चल रहा धरना रविवार को 32वे दिन भी जारी रहा। धरने का शुभारम्भ श्री सालासर बालाजी मंडल जिंदल पार्क के प्रधान सोहन लाल सिंगला व उनकी भजनमंडली जिसमें ऋषि कुमार जैन, राजेंद्र कुमार, भूपेश गोयल, विजय कुमार, पंडित राम कुमार शर्मा, संजय सुखीजा, ओमप्रकाश, नरेश कुमार चुघ, सुरेंद्र कुमार आदि ने बालाजी के भजनों से धरनास्थल को भक्तिरस में डूबो दिया। इस अवसर पर श्याम सुंदर शर्मा ने मंदिर छोड़ गए भगवान की मनमोहक प्रस्तुति दी। कृष्ण गोयल ने बाबा तने करनी होगी पार माहरी टूटी सी नईया भजन गाया जिस पर सभी उपस्थित दुकानदारों ने तालियों के साथ जुगलबंदी की। मदन लाल सिंगल ने शेरो वाली मैया ने हमारी मौज कर दी भजन की प्रस्तुति दी। संजय सुखीजा ने श्री राम जय राम जय जय राम भजन गाया तो सारा माहोल भक्ति में हो गया। इस अवसर पर जय श्री राम प्रभात फेरी मंडल के महासचिव व पूर्व पार्षद मनोहर लाल नांगरू ने उनका पूरा साथ दिया। सभी दुकानदारों सहित धरना पर बैठे लोगो ने भजनों का आनंद लिया सारा धरना स्थल बालाजी के भजनों से गूंज उठा। इस अवसर पर अग्रसेन मार्केट के दुकानदारों ने बालाजी महाराज से प्रार्थना की कि ये शराब का ठेका यहां से दूसरी जगह शिफ्ट हो जाए ऐसे शासन व प्रशासन को सद्बुद्धि देने की कृपा करे।

- श्याम सुंदर शर्मा ने 'मंदिर छोड़ गए भगवान' की प्रस्तुति दी

कैलाश चौधरी 11वीं बार बने हनुमान मंदिर के प्रधान

हिसार। चुनाव में पुन: चुने गये प्रधान कैलाश चौधरी एडवोकेट व सचिव मधुसूदन गुप्ता अन्य ट्रस्टियों के साथ।

हिसार। श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म हनुमान मंदिर ट्रस्ट, नागोरी गेट के बोर्ड ऑफ ट्रस्ट की बैठक मंदिर प्रांगण में हुई। इसमें आगामी तीन वर्षों के लिये पदाधिकारियों का चुनाव कराया गया। बैठक में मंदिर ट्रस्ट के प्रधान कैलाश चौधरी, एडवोकेट ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे धार्मिक व सामाजिक कार्यों का तथा पिछले तीन सालों में किये गये कार्यों का विवरण दिया। मंदिर कार्यों में सहयोग देने के लिये सभी सदस्यों का आभार जताया गया। बैठक में उपस्थित लगभग 30 सदस्यों ने कैलाश चौधरी एडवोकेट को लगातार ग्यारहवी बार प्रधान तथा मधुसूदन गुप्ता को आगामी तीन वर्षों के लिये सर्वसम्मति से सचिव चुन लिया। मधुसूदन गुप्ता दूसरी बार सचिव बने हैं। उपस्थित ट्रस्टियों ने प्रधान व सचिव को बधाई देते हुए ट्रस्ट की बाकी कार्यकारिणी गठित करने का अधिकार भी उन्हें दे दिया। प्रधान कैलाश चौधरी एडवोकेट व सचिव मधुसूदन गुप्ता ने सभी ट्रस्टियों का आभार प्रकट करते हुए आश्वासन दिया कि वे सभी सदस्यों के सहयोग से मंदिर ट्रस्ट की प्रतिष्ठा व गरिमा को बनाये रखेंगे।

जनसेवा व विकास कार्यों को बखूबी निभा रही भाजपा : मोहनलाल

- हांसी, नारनौंद व बरवाला हलका बनेंगे भाजपा के गढ़
- प्रदेशाध्यक्ष ने किया हांसी पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली ने रविवार को हांसी में भाजपा जिला कार्यालय का विधिवत रूप से उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व विधिवत हवन किया गया। हवन में विधायक विनोद भयाना व रणधीर पनिहार सहित पार्टी पदाधिकारियों ने आहुतियां डाली।

इसके उपरांत कार्यालय सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोहनलाल बडौली ने कहा कि हांसी में पार्टी कार्यालय स्थापित होने से न केवल संगठन को मजबूती मिलेगी बल्कि आमजन को भी इसका फायदा होगा। पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्यालय में अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजन होगा, इसके साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ता लोगों को भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध करवाएंगे ताकि जनता इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपने जीवन स्तर को और ऊंचा उठा सके। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक जिला हांसी के अंतर्गत बरवाला, नारनौंद तथा हांसी तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। पार्टी कार्यालय बनने से तीनों विधानसभा क्षेत्र भाजपा के गढ़ बनेंगे। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का काम जन सेवा करना है वहीं भाजपा सरकार का उद्देश्य प्रदेश का विकास करवाना है। पार्टी तथा सरकार इन दोनों कामों को बखूबी कर रही है। सरकारी जन कल्याणकारी योजना का लाभ पात्र लोगों को घर-घर तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का गौरव दुनिया में बढ़ाया है। नरेंद्र मोदी जब दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं तो उनका वहां शानदार सम्मान होता है यह सम्मान केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नहीं है बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा सरकार द्वारा हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया जा रहा। सरकार द्वारा गरीबों के उत्थान के लिए आयुष्मान भारत योजना सहित अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई है। उन्होंने बोर्ड व निगम चेयरमैनों की नियुक्ति को लेकर पुछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल्द ही सभी विभागों के चैयरमैनो की नियुक्ति की जाएगी। और इसकी प्रक्रिया जारी है।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, विधायक विनोद भयाना, विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा हांसी जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व मंत्री कमल गुप्ता, पूर्व मंत्री अनूप धानक, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, भाजपा हिसार जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, भाजपा जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया, भाजपा जिला महामंत्री विजेंद्र लोहान, हिसार के मेयर प्रवीण पोपली, आदि उपस्थित थे।

हांसी। भाजपा जिला कार्यालय का रिबन काट कर उद्घाटन करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, उनके साथ है विधायक विनोद भयाना तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली को स्मृति चिन्ह भेंट करते विधायक विनोद भयाना व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी। फोटो : हरिभूमि

'हंस कमल' रखा नाम

विधायक विनोद भयाना ने हांसी को संगठनात्मक जिला बनाने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेशाध्यक्ष से आग्रह किया कि हांसी भाजपा जिला कार्यालय का नाम हंस कमल रखा जाए। विधायक भयाना ने कहा कि भाजपा जिला कार्यालय बनने से संगठन को काफी मजबूती मिलेगी।

गुजवि ने कई विषयों का परीक्षा परिणाम घोषित किया

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि मई 2025 में आयोजित एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी-178 द्वितीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी-178 द्वितीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022-2023, एमएससी एआईडीएस-278 द्वितीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमएससी एआईडीएस-278 द्वितीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2023, बीटेक एमई विदाउट इंटर्नशिप-162 आठवां सेमेस्टर (मेन) बैच 2021, बीएससी ऑनर्स साइकोलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2022, बीए मास कम्युनिकेशन द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2022, बीए मास कम्युनिकेशन छठा सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021, बीटेक एमई आठवां सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2019-2020 आदि का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

कुलदीप बिश्नोई को किया जन्माष्टमी कार्यक्रम के बारे में अधिकृत

- 24 को रावतखेड़ा साथरी में आयोजित होगा वार्षिक मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बिश्नोई सभा हिसार की आम सभा की बैठक प्रधान जगदीशचंद्र कड़वासरा की अध्यक्षता में श्री बिश्नोई मंदिर हिसार में हुई।

इसमें बिश्नोई सभा, हिसार के सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं हरियाणा की सभी बिश्नोई सभाओं के प्रधान एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 16 अगस्त को गुरु जम्भेश्वर महाराज के 575वें जन्मोत्सव जन्माष्टमी समारोह मनाने बारे सभा के सदस्यों से सुझाव मांगे गए। सर्वप्रथम बैठक में पिछले दिनों में मोक्ष को प्राप्त हुए दिवंगत सदस्यों के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।इसके बाद आगे सभा की कारवाई में बिश्नोई सभा हिसार के उपप्रधान आत्माराम जाजूदा द्वारा बिश्नोई सभा, हिसार का अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक आय व्यय का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से बिश्नोई रत्न चौधरी कुलदीप बिश्नोई को जन्माष्टमी समारोह में मुख्य अतिथि बारे निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया। प्रधान जगदीश चंद्र कड़वासरा ने बताया कि 24 जुलाई को रावतखेड़ा गांव में स्थित साथरी मंदिर में आयोजित वार्षिक मेले मे ज्यादा से ज्यादा सख्या मे पहुंचे।

हिसार। बिश्नोई सभा हिसार की आम सभा में उपस्थित पदाधिकारी व सदस्य।

ये रहे शामिल

इस अवसर पर अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष देहडू, बिश्नोई सभा आदमपुर के अध्यक्ष राजा राम खीचड़, कुरूक्षेत्र बिश्नोई सभा से अशोक मांजू, पंचकूला बिश्नोई सभा के अध्यक्ष लीलूराम गोदारा, विजय सिंह देहड़, प्रधान बिश्नोई सभा सिवानी, बलदेव लोहमरोड, प्रधान बिश्नोई सभा, टोहाना, रामस्वरूप बेनीवाल प्रधान बिश्नोई सभा रतिया, आदि मौजूद रहे।

स्टेट पैंशनर्ज समाज ने प्रदेशभर में बैठकें करवाने पर की चर्चा

हिसार। हरियाणा स्टेट पैंशनर्ज समाज जिला हिसार की मासिक बैठक का आयोजन क्रांतिमान पार्क में राज्य सलाहकार भरत सिंह पूनिया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्वप्रथम उन सभी साथियों का आभार प्रकट किया गया जिन्होंने जिला उपायुक्त हिसार के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ऑल इण्डिया पैंशनर्ज फैडरेशन की हरियाणा प्रदेश में होने वाली बैठकों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई कि कौन से जिले में कब बैठक करवाई जाए। निर्णय लिया गया कि पैंशनर्ज समाज की आगामी बैठक अगस्त माह के दूसरे शनिवार को क्रांतिमान पार्क में की जाएगी। आज की बैठक में मुख्य रुप से राजेन्द्र सिंह नैन राज्य उपाध्यक्ष, आर्य संजय सहारण राज्य महासचिव, दलबीर सिंह पंघाल, किरण दत्त शर्मा, दिलबाग सिंह खर्ब, गुलाब सिंह, रामप्रकाश शर्मा, पूर्णमल बिशनोई, बलराज घणघस, रामप्रताप, पुरुषोतम आदि उपस्थित रहे।

हिसार। हरियाणा स्टेट पैंशनर्स समाज की जिला इकाई के सदस्य बैठक करते हुए।

परम शांति की साधना है ब्रह्मनाद ध्यान : किरण

- साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। यह सेशन आचार्या मां किरण ने लिया जिसमें उन्होंने ब्रह्मनाद ध्यान करवाया।

आचार्या ने ब्रह्मनाद ध्यान करवाते हुए कहा कि ब्रह्मनाद एक आंतरिक चेतना का जागरण है और यह बहुत ही गहरा और आध्यात्मिक विषय है, जो योग और ध्यान की उस अवस्था से जुड़ा है जहां साधक अपने भीतर के दिव्य स्वर (नाद) को सुनता है और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ता है। यह एक शक्तिशाली ध्यान तकनीक है जिसका उद्देश्य व्यक्ति को ब्रह्मांडीय चेतना से जोड़ना है। यह ध्यान हमें अपनी सीमित पहचान से परे जाकर, संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार होने का अनुभव कराता है। इसे अक्सर "विस्तार का ध्यान" या "अनंतता का ध्यान" भी कहा जाता है। ये ध्यान करने से मनुष्य को सीमित पहचान से मुक्ति मिलती है और एकात्मता का अनुभव होता है। इस ध्यान को करने से शांति और आनंद की प्राप्ति के साथ भय और चिंता से मुक्ति मिलती है।

जब हम स्वयं को ब्रह्मांड का एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, तो मृत्यु का भय और जीवन की छोटी-मोटी चिंताएं कम होने लगती हैं।

हिसार। कौशिक नगर स्थित ध्यान साधना केंद्र में पहुंचे साधक।

निःशुल्क होता है कार्यक्रम

ज्ञात हो कि प्रत्येक रविवार सुबह 7 से 9 बजे समर्थगुरु धारा संघ हिसार अपने साधना केंद्र मिर्जापुर रोड, कौशिक नगर में ध्यान के कार्यक्रम का आयोजन करता है, जोकि सभी के लिए निःशुल्क होता है और प्रशिक्षित आचार्य ही वो ध्यान का सेशन लेते हैं।

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

कई राज्यों के प्रतिभागी ले रहे मशरूम का प्रशिक्षण

- कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय कर सकते हैं शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में इस संस्थान में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रशिक्षण में हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी, फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भूमिहीन युवा और किसान कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा इसके उत्पादन प्रसंस्करण पर अनुदान व ऋण देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान है। मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं।

हिसार। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक।

इन्होंने दी जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. सरोज यादव, डॉ. पवित्रा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | **रामधारी खटकड़**

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या, इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का, हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै, नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी, तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र, बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की, इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै, आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं, किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई, सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख, बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै, हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं, जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या, ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं, तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे, खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | **पवन मित्तल**

कवि सै दरबारी कोन्या

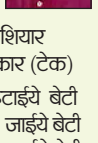

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं, चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर, सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे, सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै, हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै, लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै, बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै, इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए, जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै, मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं, डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम कराde, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे, गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर | **मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए**

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं। हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्य का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं। डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान भावदीन रंगोई नाला क्षेत्र से एक बिना नंबर के बाइक सवार नशा तस्कर को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव भावदीन क्षेत्र में जा रही थी। इसी दौरान रंगोई नाला के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 15 ग्राम 4 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान जगमोल के रूप में हुई।

मेहताब बने इनेलो किसान सेल के प्रधान

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को सिरसा हलका की कार्यकारिणी घोषित की। घोषित कार्यकारिणी में मेहताब सिंह को प्रकोष्ठ का हलका प्रधान बनाया गया है जबकि रणबीर सिंह को वरिष्ठ उपप्रधान का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार रामलाल, राजेश खोथ, देवीलाल चोयल व मदन ढूकिया को संयुक्त रूप से उपप्रधान बनाया गया है। ओमप्रकाश को प्रधान महासचिव बनाया गया है। इसी प्रकार सुभाष, बंसीलाल, रायसिंह बेनीवाल को संयुक्त रूप से महासचिव बनाया गया है। भंवर, अशोक कुमार व रामेश्वर व पूर्ण को सचिव का दायित्व दिया गया है। रामपाल को कोषाध्यक्ष, रामप्रकाश को प्रचार सचिव व हनुमान शर्मा को संगठन सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है।

राजकीय स्कूल भरोखां को वाटर कूलर भेंट किया

सिरसा। गांव भरोखां ढाणी निवासी डॉ. लालचंद मिरोक ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरोखां को लाइब्रेरी के लिए वाटर कूलर भेंट किया है ताकि विद्यार्थियों को पीने के लिए शीतल पानी मिल सके। इसी प्रकार गांव भरोखां निवासी एवं अध्यापक नेता वीर सिंह ने बाल वाटिका के लिए एक ए.सी. दानस्वरूप भेंट किया है ताकि प्राइमरी स्कूल में पढने वाले बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके। स्कूल के प्रिंसिपल वेद रोज व प्राइमरी स्कूल के मुख्य अध्यापक सुरेंद्र कुमार ने उक्त दानों दानी सज्जनों का आभार प्रकट किया।

इनेलो की हलका कार्यकारिणी घोषित

सिरसा। इनेलो के जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल, रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला, जिला परिषद सिरसा के चेयरमैन कर्ण सिंह चौटाला, इनेलो नेत्री व रोहताश को उपप्रधान मनोनीत किया गया है। वहीं देवीलाल न्यौल को प्रधान महासचिव का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार विनोद कुमार, सोहनलाल, राजपाल, भीम सिंह को महासचिव जबकि नौरंगराम, शंकर, अनिल, सुरेंद्र कुमार व भगत सिंह को सचिव बनाया है।

पौधारोपण के अभियान में जुटे समाजसेवी

फतेहाबाद। शहर को हरा-भरा बनाने के लिए समाजसेवी लोग मानसून के सीजन में जोर-शोर से पौधारोपण करने के अभियान में जुटे है। पेड़ पौधे लगाना, उनकी देखरेख करना, बीज तैयार करना और उसे लोगों के बीच में बांटना और अब बीज को मिट्टी में लपेटकर लड्डु यानी सीड बॉल बनाकर छाया में सुखा कर तैयार करना, इसी काम में लगे हुए महेंद्र कुमार धारनिया एडवोकेट। उन्होंने बच्चों व युवाओं के साथ मिलकर सीड बॉल तैयार की है और इनको छाया में सुखाकर अब नमी वाली सडक़ व नहर के किनारे डाला जाएगा।

लायंस क्लब ने गायों को सवामणी खिला सेवा की

भूना। श्री गोपाल कृष्ण गौशाला हिसार रोड भूना में रविवार को लायंस क्लब भूना की टीम ने गायों और गोवंश को सवामणि खिला कर सेवा की। क्लब ने विभिन्न अनाजों से सवामणि तैयार करवाई। गायों को सूखे चारे में मिलाकर यह प्रसाद खिलाया गया।

पुलिस ने सिसाय में करवाई कबड्डी प्रतियोगिता, आठ गांवों की टीमों ने लिया भाग

सिसाय कालीरावण की टीम ने सिंघवा की टीम को हराकर जीती प्रतियोगिता

नशा मुक्ति अभियान के तहत हांसी पुलिस कर रही खेलों का आयोजन विजेता टीमों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। कबड्डी प्रतियोगिता में उपस्थित खिलाड़ी व पुलिस जवान। फोटो: हरिभूमि

नशा मुक्ति अभियान के तहत हांसी पुलिस ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव सिसाय कालीरावण में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

प्रतियोगिता में गांव सिसाय बोलान, मसुदपुर, लोहारी राघो, सिंघवा, कुम्भा, गगन खेड़ी तथा महजत गांव की टीमों ने भाग लिया। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि युवाओं को नशे से दुर रखने के लिए सिसाय कालीरावण में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में कुम्भा व सिसाय कालीरावण तथा लोहारी व गगन खेड़ी के बीच बहुत ही कांटे के मैच हुए। फाइनल मैच में गांव गगन खेड़ी और सिसाय कालीरावण की टीमों के बीच जबरदस्त कांटे का मुकाबला हुआ जिसमें गांव सिसाय कालीरावण की टीम ने फाइनल मैच में गांव सिंघवा की टीम को 27-24 से हराकर कर जीत हासिल की। विजेता टीम को हांसी पुलिस की तरफ से इनाम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एएसआई दीपक कुमार ने ग्रामीणों, युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ और सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

नशे के दुष्प्रभावों के बारे में प्रेरित किया

नाबालिग बच्चों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने के लिए प्रेरित किया गया। नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए नशे से दूर रहने तथा गांव और आस-पास नशे से सम्बंधित सामान बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

आदमपुर। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक व उनकी टीम।

भाविप के चिकित्सा शिविर का सैकड़ों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

■ सर्वेश अस्पताल हिसार के सहयोग से लगाया शिविर

आदमपुर भारत विकास परिषद की ओर से सर्वेश अस्पताल हिसार के सहयोग से रविवार को आदमपुर गोपीराम धर्मशाला में फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया।

परिषद के प्रधान अनिल गोयल ने बताया कि इस दौरान सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्राजक्ता पर्चाय, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंकित सिंगल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राशिद खान एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन ग्रोवर्स, प्रियंका मरीजों की जांच की तथा जांच के बाद दवाइयां निशुल्क उपलब्ध कराई गई। इसीजी के अलावा कैंप में बीपी, ब्लड शुगर टेस्ट भी निशुल्क किये गए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कृष्ण धमीजा, अनिल गोयल, प्रेम काजल, चंद्रशेखर शर्मा, राजीव शर्मा, सुशील छतरपुरिया, राजकुमार ग्रोवर, पंकज मक्कड़, अशोक कथूरिया सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गणेश की मौत मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी।

आम आदमी पार्टी ने सरकार से मांग की है कि बारह क्वाटर निवासी गणेश नामक नाबालिग की मौत के मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पीड़ितों को न्याय दें।

पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि 7 जुलाई की रात अपने घर के बाहर जन्मदिन मना रहे बच्चों पर पुलिस ने जुल्म ढाया। न्याय की मांग को लेकर पिछले छह दिनों से पूरे परिवार सहित समाज ने सिविल अस्पताल में धरना-प्रदर्शन किया हुआ है किंतु प्रशासन व सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। उनकी सुनवाई न करके उन्हें और ज्यादा परेशान किया जा रहा है। पूरे समाज के हजारों लोगों ने एकजुट होकर आईजी कार्यालय पर जाकर न्याय की गुहार लगाई परंतु छह दिन बीतने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं की जा रही।

उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे स्था नी य प्रतिनिधियों को नाबालिग गणेश की मौत और उससे परिवार व समाज को जो क्षति हुई, नहीं दिख रहा। जिस माता-पिता ने अपना बच्चा गवां दिया, उन्हें छह दिन बीतने पर भी कोई न्याय नहीं मिला। आम आदमी पार्टी ने सरकार व प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि समय रहते बच्चे की मौत की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाये। आप पार्टी न्याय की इस लड़ाई में आंदोलनकारियों के साथ खड़ी है।

मूक नायक संघ ने विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

राजकीय प्राथमिक पाठशाला में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। मूक नायक संघ विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

मूक नायक संघ की ओर से सामान्य ज्ञान कम्पीटीटिव प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनाज मंडी में किया गया। इस प्रतियोगिता में बरवाला शहर से वार्ड नं 1, 7, 8, 10, 19 और गांव देवीगढ़ पूनिया, भैणी बादशाहपुर व ढाणी गारण के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है।

इस प्रतियोगी परीक्षा को चार ग्रुपों में बांटा गया। प्रथम ग्रुप में तीसरी क्लास से लेकर पांचवी कक्षा के विद्यार्थी, द्वितीय ग्रुप में कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक के विद्यार्थी, तृतीय ग्रुप में कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थी और चतुर्थ ग्रुप में सीईटी की प्रतियोगी परीक्षा के लिए विद्यार्थी सम्मिलित रहे। परीक्षा सुबह 9 बजे से शुरू होकर साढ़े 10 तक चली।

इस परीक्षा में मूक नायक संघ के लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मूक नायक संघ द्वारा प्रथम ग्रुप में भाग लेने वाले कक्षा तीन से पांच के सभी बच्चों को सम्मानित किया गया।

दूसरे ग्रुप में कक्षा 6 से 8 में प्रथम स्थान नैतिक और द्वितीय स्थान भावेश तथा तृतीय स्थान पर प्रिंस और पंकज संयुक्त रूप से रहे। तृतीय ग्रुप में कक्षा 9 से 12 में प्रथम स्थान वर्धमान और द्वितीय स्थान अंकुश तथा तृतीय स्थान पर जतिन रहे। चतुर्थ ग्रुप सीईटी में प्रथम स्थान प्रतीक और द्वितीय स्थान अजय तथा तृतीय स्थान पर सचिन रहे। इन सभी विद्यार्थियों को मूक नायक संघ द्वारा सम्मानित भी किया गया।

पौधे देकर सम्मानित किए

इसके साथ ही मूक नायक संघ की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी परीक्षार्थियों को एक-एक पौधा देकर भी सम्मानित किया गया और पूरे साल इस पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी दी गई। इस प्रतियोगिता में मा. प्रदीप, मा. कृष्ण रोहलन, मा. सुबेसिंह सुबोध, मा. महेन्द्र नापा, मा. सुरजीत नौथावत ने मुख्य पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। विनोद बौद्ध ने बीआर अंबेडकर के जीवन संघर्ष पर आधारित आगामी प्रतियोगिता के बारे में सभी विद्यार्थियों को अवगत करवाया और इस प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरोध में 'मानस-1933' हेल्पलाइन नंबर शुरू किया

- नागरिकों को किसी भी समय नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की गोपनीय जानकारी साझा करने की सुविधा देगा नई पहल
- नशा रोकने के लिए आगे आएं नागरिक और 1933 पर दें जानकारी : पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हांसी। हांसी के पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन।

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा है कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्कोटिक्स तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक अहम कदम उठाया है।

इस दिशा में गृह मंत्रालय द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'मानस-1933' की शुरूआत की गई है। यह हेल्पलाइन नंबर 24*7 सक्रिय रहेगा और नागरिकों को किसी भी समय नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी सांझा करने की सुविधा देगा।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस हेल्पलाइन की विशेष बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी डर या संकोच के नशीली दवाओं के अवैध व्यापार से जुड़ी जानकारी साझा कर सकें।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल समाज में व्याप्त नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि इससे युवाओं को भी इस बुराई से बचाने में बल मिलेगा। केंद्र सरकार का उद्देश्य भारत को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाना है और इस दिशा में जन-सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नशा रोकने के लिए नागरिकों से अपील

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की नशीली दवाओं के व्यापार, तस्करी या दुरुपयोग की जानकारी मिले तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1933 पर तुरंत सूचित करें ताकि समय रहते मौके पर दबिश दी जा सके।

प्रिंसिपल जगबीर पानू की आत्मिक शांति के लिए शहीद भगतसिंह संगठन ने की शोकसभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। मौन रखकर स्कूल प्रिंसिपल को श्रद्धांजलि अर्पित करते समिति सदस्य। फोटो: हरिभूमि

शहीद भगत सिंह संगठन समिति के सदस्यों ने रविवार को बजरंग आश्रम में बास गांव में विद्यार्थियों द्वारा स्कूल के संस्थापक व प्रिंसिपल जगवीर सिंह पानू की आत्मिक शांति के लिए एक शोकसभा का आयोजन किया गया। इसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया।

समिति सदस्य कमल किशोर शास्त्री ने कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता सबसे पवित्र रिश्ता है, जो शिष्य को पूरा जीवन गुरु द्वारा दी गई शिक्षा के कारण याद रहता है लेकिन आज कल के कुछ ऐसे गलत आचरण वाले शिष्य होने लग गये है जो गुरु का आदर करना तो दूर उनका कत्ल करने से भी गुरेज नही करते। स्कूल में घटित घटना को देखकर शिक्षकों द्वारा पुलिस से सुरक्षा मांगना यह दर्शाता है कि समाज किस ओर जा रही है और आने वाली पीढ़ी की सोच कैसी हो गई है, यह एक विचारणीय प्रश्न है जिसका जल्द से जल्द समाधान किया जाना अत्यन्त जरूरी है।

किशोरी नागपाल ने कहा कि इस घटना को अंजाम देने वाले छात्रों को आजीवन कारावास की सजा देनी चाहिए ताकि ओर नाबालिग बच्चों को इससे सबक मिल सके और इस घटना की भविष्य मे पुनरावृति ना हो।

इस अवसर पर विरेन्द्र तनेजा, महिला प्रधान शमां मल्होत्रा, तेलूराम जांगड़ा, डॉ. सुदर्शन सचदेवा, हंसराज खेत्रपाल, रामसरूप खट्टर, फतेह सिंह गुर्जर, संजय कुमार, विजयपाल शास्त्री, हमेश खुराना, किशोरी नागपाल, कश्मीरी लाल ग्रोवर, सन्नी नायक, हरीश इलावादी, रामधन ठकराल, प्रेम गुलाटी, जयकंवार चैहान, कमलेश रंगा, मोनिका जांगड़ा, रविन्द्र सैनी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम छात्रों की मेंटल हेल्थ और वेलनेस प्रमोटिंग पर टीचर ट्रेनिंग सेमिनार आयोजित

शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों की मानसिक तंदुरुस्ती का ख्याल रखना महत्वपूर्ण : कुनर

- कई जिलों के स्कूलों के शिक्षकों ने भी अपने ज्ञान की वृद्धि की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

उकलाना। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

लोटस इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों की मेंटल हेल्थ और वैलनेस प्रमोटिंग पर सेमिनार आयोजित किया गया।

स्कूल प्रिंसिपल आरती कुनर ने बताया कि यह सेमिनार सीबीएसई द्वारा आयोजित किया गया है जिसमें नीलू जावला और सपना जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई और अपने 20 वर्षों से अधिक के अनुभव को सांझा किया। उन्होनें लोटस स्कूल के सभी शिक्षकों को स्ट्रेस फ्री रहकर पढ़ने और बच्चों को भी मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए रखते हुए शिक्षा देने के गुर सिखाए। इस अवसर पर लोटस इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन महेंद्र कुनर और प्रिंसिपल आरती कुनर ने सेमिनार में उपस्थित श्री राम इंटरनेशनल स्कूल भिवानी की प्रिंसिपल नीलू जावला, गुरु तेग बहादुर स्कूल हांसी की प्रिंसिपल सपना जैन, एमयूएच जैन स्कूल टोहाना की प्रिंसिपल पूनम चावला और कॉस्मोस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल हितेश बाबल को अपना अनुभव सांझा करने पर विद्यालय की तरफ से पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लोटस इंटरनेशनल स्कूल के समस्त स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ हिसार, जींद, टोहाना इत्यादि स्कूलों के शिक्षकों ने भी अपने ज्ञान की वृद्धि की।

इन्होंने किया शुभारंभ

स्कूल के चेयरमैन महेंद्र कुनर और प्रिंसिपल आरती कुनर ने श्री राम इंटरनेशनल स्कूल भिवानी की प्रिंसिपल नीलू जावला, गुरु तेग बहादुर स्कूल हांसी की प्रिंसिपल सपना जैन और एमयूएच जैन स्कूल टोहाना की प्रिंसिपल पूनम चावला के साथ मिलकर सरस्वती मां के सम्मुख ज्योत प्रज्वलित की और ट्रेनिंग का शुभारंभ किया।

आदमपुर। मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित पर्यावरण पेंटिंग प्रतियोगिता में अपनी कला का प्रदर्शन करते प्रतिभागी।

मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट ने किया पर्यावरण पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

आदमपुर। आदमपुर की समाजसेवी संस्था मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट की ओर से हाउसिंग बोर्ड स्थित नामदेव मंदिर में पर्यावरण पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 बच्चों एवं युवतियों तथा महिलाओं ने भाग लिया। बच्चों व महिलाओं ने पर्यावरण पर शानदार पेंटिंग बनाकर सबका मन मोह लिया। प्रधान विनोद वर्मा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से जहां बच्चों में महिलाओं को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेवारी का ज्ञान होता है, वही पर्यावरण संरक्षण तथा पेड़ पौधे लगाने लगाने के प्रति भी लगाव पैदा होता है। विनोद वर्मा ने महिलाओं से ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों के जन्म दिवस पर पौधे लगाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम, दितिय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रधान विनोद वर्मा ने बताया कि बुधवार को हाउसिंग बोर्ड स्थित संत नामदेव मंदिर प्रांगण में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें आदमपुर की कोई भी युवती या महिला भाग ले सकती है। विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड, चार दबोचे

डबवाली। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चौटाला से सार्वजनिक जगह पर जुआ खेल रहे चार लोगों को 7900 रुपए की जुआरशि के साथ गिरफ्तार किया है। थाना की एक पुलिस टीम एएसआई पालाराम के नेतृत्व में गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चौटाला में बस अड्डा के समीप मौजूद थी। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि गौशाला के नजदीक चारा मंडी में कुछ लोग सरेआम जुआ खेल रहे हैं।

नेत्र जांच शिविर में 195 रोगियों की जांच

सिरसा। समाजसेवी संस्था बाबा बिहारी नेत्रालय द्वारा रविवार को रानियां रोड स्थित पीर मंदिर में नेत्र जांच एवं ऑप्रेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 195 नेत्र रोगियों की जांच की गई और उनमें से 13 को बाबा बिहारी नेत्रालय में ऑप्रेशन के लिए चयनित किया गया जबकि 50 नेत्र रोगियों को चश्मे वितरित किए गए। रोटरी क्लब सिरसा सीनियर व रोटरी क्लब सिरसा चैंपियन की टीम ने भरपूर सहयोग दिया।

मेडिकल स्टोर में तोड़फोड़ करने का आरोपी दबोचा

ओढां। पुलिस ने मेडिकल स्टोर में घुसकर तोडफ़ोड़, मारपीट के मामले में वांछित पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ शम्भू पुत्र जगरूप निवासी के रूप में हुई है। निर्मल सिंह निवासी ओढ़ा ने शिकायत दी थी कि उसकी कालांवाली कैंचियों पर सिधु फार्मेसी मेडिकल नाम से दुकान है। दोपहर के समय कुछ लोग दुकान में घुसे और तोडफ़ोड़ की।

सामूहिक विवाह उत्सव को लेकर बैठक संपन्न

रतिया। श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा समिति की ओर से हर साल की तरह इस बार भी कन्याओं के सामूहिक विवाह उत्सव व श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा का 3 सितम्बर से 5 सितम्बर तक आयोजन किया जाएगा। तैयारियों को लेकर श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा समिति की बैठक अनाजमंडी में सुभाष सिंगला के कार्यालय में हुई। समाजसेवी प्रेम गर्ग ने बताया कि समिति द्वारा हर साल श्री सदानंद महाराज के सान्निध्य में कन्याओं के सामूहिक विवाह व कथा करवाई जाती है। इस बार भी टिब्बा कालोनी स्थित श्रीराम आश्रम शिव मंदिर में 3 सितम्बर से कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

रक्तदान कैंप में 52 यूनिट रक्त एकत्रित

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया द्वारा एसएस जैन सभा के सहयोग से रक्तदान कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में मंगलम ब्लड बैंक, फतेहाबाद द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। विशिष्ट अतिथि के तौर पर अंकित सिंगला व कपिल सिंगला ने भाग लिया। एसएस जैन सभा के प्रधान संजीव जिंदल, भारत विकास परिषद शाखा रतिया के संरक्षक डॉ. नरेश गोयल, अध्यक्ष राज कुमार सिंगला, सचिव लोकेश खुराना, वित्त सचिव सौरव गोयल, गतिविधि संयोजक संस्कार प्रेम बंसल, गतिविधि संयोजिक संपर्क प्रवीण तनेजा, डॉ. शबीना जैन, सतपाल सेठी आदि मौजूद रहे।

किसान समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं सरकार : खिचड़

पगड़ी संभाल जट्टा ने कैमरी में फूंका पुतला, जताया रोष

डीएपी खाद्य, पानी बिजली में बढ़ाई दरों व अन्य मुद्दों के लेकर आंदोलन तेज किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कैमरी में पुतला फूंकते पगड़ी संभाल जट्टा के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने डीएपी खाद्य, पानी बिजली में बढ़ाई दरों व अन्य मुद्दों के लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन का कहना है कि बार-बार चेताने के बावजूद सरकार एवं प्रशासन किसान समस्याओं को हल करने के प्रति गंभीर नहीं है।

संगठन के हिसार प्रथम ब्लॉक प्रधान साहब राम खिचड़ ने बताया की किसानों को डीएपी व यूरिया खाद नहीं मिल रही, नहरों में दो सप्ताह पानी, बिजली बिलों में हुई बढ़ोतरी व एचटी लाइन का मुआवजा सहित अन्य मुद्दों को लेकर हर गांव में यह आंदोलन किया जाएगा। इसके तहत 20 जुलाई तक हरियाणा सरकार के पुतले जलाएंगे और 21 जुलाई को सभी तहसीलों व जिला मुख्यालय पर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे। इस संबंध में इकाई प्रधान रमेश माकड, पूर्व सरपंच सत्यानारायण व गुलाब गोदारा की अध्यक्षता में गांव कैमरी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, बिजली मंत्री अनिल विज और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का पुतला जलाया गया। उपप्रधान विनोद सुथार ओर पवन सहारण ने बताया कि खाद के अंदर किसानों के साथ बड़ी लूट की जा रही है। प्राइवेट डीलरों के पास खाद होने के बावजूद भी कृषि अधिकारी बंटवाने का प्रयास नहीं कर रहे है। रातों-रात डीएपी को ब्लैक में बेचने का काम करते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि जितनी भी सरकारी सोसायटी है, उन पर खाद भेजें ताकि किसान को खाद्य मिल सके। योगी सहारण ने बताया की बिजली के इतने ज्यादा बिल आए हैं की गरीब किसान उसको भरने में असमर्थ है। इस अवसर पर मोहर सिंह सहारण, लक्ष्मीनारायण खीचड़, भाल सिंह धांबू, सतबीर लेगा, मंजीत गोदारा, मान सिंह सरदार, कुलदीप खीचड़ आदि किसान मौजूद रहे।

बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा नशा

पूर्व सरपंच सत्यानारायण ने बताया कि आज युवा पीढ़ी चिट्टे ओर स्मैक के नशे के कारण खराब हो रही है। पूंजीपतियों के बगैर नशा बाजारों में मिल ही नहीं सकता। आज नशा बाजारों में खुले धड़ल्ले से मिल रहा है। हमारा समाज किस ओर जा रहा है इसकी तरफ सरकार को कोई ध्यान नहीं है।

ग्रीन बेल्ट में चलाया पौधरोपण अभियान

- 'हमारा प्यार-हिसार' ने चला रखी है शहर को साफ-सुथरा बनाने की मुहिम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। सफाई व पौधरोपण अभियान में लगे संस्था के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

'हमारा प्यार-हिसार' ने शहर को साफ सुथरा बनाने की मुहिम के तहत रविवार को सुखदा हस्पताल के सामने वाली नगर निगम की ग्रीन बेल्ट नंबर 2 में सफाई अभियान और पौधारोपण का कार्यक्रम चलाया। मार्केट के साथ लगती ग्रीन बेल्ट और पार्किंग में लोगों ने बहुत कूड़ा डाल रखा था। सभी सदस्यों ने मिलकर पूरे क्षेत्र की सफाई कर उसे सुंदर बना दिया।

इसी बेल्ट में कुछ सदस्य नए पौधे लेकर आए जिनको सभी सदस्यों ने माली के मार्गदर्शन में गड्ढे बना कर लगा दिया और रोज इन्हें कर्मवार पानी देने का संकल्प लिया। इस काम में स्थानीय निवासियों का पूरा सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि 'हमारा प्यार हिसार' इस ग्रीन बेल्ट के अलावा मॉडल टाउन व डाबड़ा चौक ग्रीन बेल्ट्स का भी रख रखाव नगर निगम के सहयोग से कर रही है। ग्रुप सदस्यों ने झुके हुए पेड़ों की टहनियों की पिराई की ताकि ग्रीन बेल्ट में दिन में आने वाले राहगीरों को कोई परेशानी ना हो। आगामी कुछ हफ्तों में हमारा प्यार हिसार ग्रुप के सदस्य इस ग्रीन बेल्ट को संवारने और पौधारोपण का कार्य करेंगे। अभियान में डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. राज वर्मा, प्रोफेसर हरीश भाटिया, जितेन्द्र बंसल, डॉ. विजय कादयान, युद्धबीर सिंह, विक्रम मित्तल, गगन मेहता, प्रवीण मित्तल, विक्की रौतेला, अंकित गर्ग, रोहित सिंह, यजत, सैफ़ी, कैफ़ी, रवि, कमल भाटिया, आदि शामिल हुए।

कोमल बी.कॉम में विवि में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

छात्रा कोमल।

- महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज की छात्रा कोमल ने संस्थान का नाम किया रोशन

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कालेज की छात्रा कोमल ने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा बी. कॉम फाइनल ईयर के घोषित परीक्षा परिणामों में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पर काबिज होकर अपना व संस्थान का नाम रोशन किया है।

चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए समस्त शिक्षक एवं गैर शिक्षक स्टाफ सदस्यों के साथ साथ छात्रा के माता-पिता को भी बधाई दी। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हम गांवों की बेटियों को बेहतर शिक्षा के साथ साथ उनकी बेहतर कामयाबी के लिए हर संभव प्रशिक्षण प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास कर सके जिसके लिए मैनेजमेंट एवं स्टाफ सदैव प्रयासरत है। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि ग्रामीण अंचल की इस छात्रा ने अनथक परिश्रम और सही मार्गदर्शन से इतिहास रच दिया है। उन्होंने है स्टाफ़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज के स्टाफ़ के समर्पण का परिणाम है कि वे विश्वविद्यालय स्तर पर मेरिट प्राप्त करने के लिए छात्राओं में उत्साह और योग्यता उत्पन्न करते हैं।

अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो : सुमन

- हिंदी प्रवक्ता सुमन सलूजा ने दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

बरवाला। कार्यक्रम में उपस्थित कवयित्री सुमन सलूजा एवं अन्य महिलाएं।

सेवा भारती सिलाई सेंटर में महिलाओं के सशक्तिकरण बारे एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हिंदी प्रवक्ता एवं कवयित्री सुमन सलूजा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने अपने सारगर्भित भाषण में कहा कि नारी अगर ठान ले, तो कोई भी बाधा उसे रोक नहीं सकती। शिक्षा और आत्मरक्षा दोनों ही स्त्रियों की ताकत हैं। कार्यक्रम में सेवा भारती सिलाई सेंटर के संचालक मास्टर राम लाल, मास्टर रमेश व मास्टर कृष्ण विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी को सराहा और कहा कि सेवा भारती का यह केंद्र नारी सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर बंटी ब्लैक टाइगर, जो कि एक अनुभवी ताई कमांडो हैं, ने उपस्थित लड़कियों को सेल्फ डिफेंस के विभिन्न हुनर सिखाए। आत्मरक्षा की तकनीकें हर लड़की को आनी चाहिए ताकि वह हर परिस्थिति का साहसपूर्वक सामना कर सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

पानी निकासी न होने से लोग परेशान : गर्ग

- थोड़ी सी बारिश होने पर हिसार में भर जाता है 4-5 फुट पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग गलियों का निरीक्षण करते हुए।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने श्यामलाल ढाणी सब्जी मंडी रोड पर टूटी सड़कें व सड़कों पर पानी भरे रहने की कड़े शब्दों में निंदा की।

उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्या सुनते हुए निगम प्रशासन व संबंधित विभाग को इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया। बजरंग दास गर्ग ने कहा कि गलियों व सड़कों पर पानी भरने के कारण वहां पर रहने वाले व आने-जाने वाले व्यक्तियों को बड़ी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। थोड़ी सी बारिश होने पर हिसार शहर में 4-5 फुट पानी भर जाता है। हिसार शहर में बरसाती नाले बंद पड़े है या बरसाती नाले टूटे पड़े है और सड़कें टूटी पड़ी है। सरकार व जिला प्रशासन का गौ मुक्त शहर बनाने के सभी दावे पूरी तरह से फेल सिद्ध हुए है जबकि थोड़ी बारिश में एशिया की सबसे बड़ी आटो मार्केट, आईजी चौक, सिविल अस्पताल, मिलगेट, 12 क्वार्टर एरिया, पड़ाव चौक, शान्ति नगर आदि क्षेत्रों में कई-कई दिनों तक पानी भरा रहता है। शहर में जगह-जगह गंदगी के ढ़ेर लगे हुए है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को बरसाती पानी के निकासी की व्यवस्था, टूटी सड़कों को तुरंत प्रभाव से ठीक करवानी चाहिए और सडकों पर जो बेसहारा गौमाता घूम रही है और गौमाता के टक्कर मारने से अनेक लोग घायल व मौत तक हो चुकी है। जिला प्रशासन को बेसहारा गौमाता से मुक्ति दिलाने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने चाहिए ताकि आम जनता को राहत मिल सकें।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर इंद्र गुर्जर, सज्जन गुर्जर, देवीलाल शर्मा, युवा कांग्रेस हिसार शहरी प्रधान भारत सोनी, गुरदीप सिंह, राकेश गुर्जर, मोगली गुर्जर, मोनू गुर्जर, रोहित कसाना, पवन सोनी, महावीर जाट, भीम सोनी, विजय भड़ाना, सत्यनारायण गर्ग, सतबीर बवता, किशन हाकणा, रोहतास वनकस, दीपू मोंकस, भीमसिंह जोड़ता, सनी शर्मा, विनोद कुमार, दीप बिश्नोई, रिंकू चौहान, सेठी गुर्जर, रोहन कुमार, संदीप कुमार, राजेंद्र बंसल, निरंजन गोयल आदि महिला व पुरुष भारी संख्या में मौजूद थे।

मनोनीत पार्षद गगन को किया सम्मानित

- ज़िला ब्राह्मण सभा की ओर से किया गया सम्मान कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

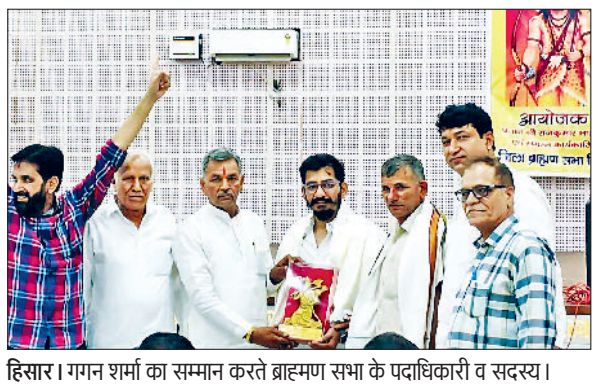

हिसार। गगन शर्मा का सम्मान करते ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

नगर निगम में मनोनीत पार्षद नियुक्त किए जाने पर ज़िला ब्राह्मण सभा की ओर से गगन शर्मा का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभा के पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह की अध्यक्षता सभा के प्रधान रतन लाल शर्मा ने की।

उन्होंने कहा कि गगन शर्मा लंबे समय से भाजपा से जुड़े हुए कर्मठ, निष्ठावान और ऊर्जावान कार्यकर्ता हैं। पार्षद के रूप में उनकी नियुक्ति न केवल पार्टी के लिए बल्कि ब्राह्मण समाज और नगरवासियों के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि गगन शर्मा अपने दायित्व का पूरी ईमानदारी व समर्पण भाव से निर्वहन करेंगे तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदैव सक्रिय रहेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व प्रधान राजकुमार, हरि किशन शर्मा, छाजूराम शर्मा, सज्जन शर्मा, राजेंद्र अग्निहोत्री, कुलभूषण शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमला गुप्ता और भाजपा ज़िला अध्यक्ष आशा खेदड़ का गगन शर्मा को पार्षद नियुक्त करने पर आभार व्यक्त किया।

जनसेवा ही प्राथमिकता

सम्मान समारोह में गगन शर्मा ने कहा कि उन्हें समाज और संगठन का जो स्नेह व मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है, वही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जनसेवा को ही अपनी प्राथमिकता बनाए रखते हुए, नगरवासियों की हर समस्या के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

श्रद्धालुओं पर हमला, आस्था पर आघात

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सुरेश गोयल धूपवाला।

- घटना से धार्मिक स्थलों पर खुली अव्यवस्थाओं की पोल

राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में घटी घटना ने न केवल आस्था को आहत किया है बल्कि धार्मिक स्थलों पर अव्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी हैं।

यह हमला श्रद्धालुओं की आस्था पर आघात है। यह बात श्याम भक्त सुरेश गोयल धूपवाला ने एक बयान में कही। उन्होंने कहा की जानकारी के अनुसार, बारिश से बचने के लिए कुछ श्याम भक्त दुकानों में शरण लेने गए थे लेकिन दुकानदारों ने उन्हें बाहर निकलने को कहा। बात इतनी बढ़ गई कि दुकानदारों ने महिलाओं समेत श्रद्धालुओं पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में कई लोग घायल हुए और घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है, किंतु इस घटना ने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या धर्मस्थलों पर श्रद्धालु सुरक्षित हैं? सुरेश गोयल नें कहा की यह कोई पहली घटना नहीं है। अक्सर बड़े धार्मिक मेलों और तीर्थ स्थलों पर भक्तों के साथ ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। दुकानें चलाने वाले इन्हीं श्रद्धालुओं की वजह से अपनी रोज़ी-रोटी कमाते हैं, फिर भी कई बार भोजन, प्रसाद और अन्य सामग्री की कीमतें मनमाने ढंग से वसूली जाती हैं।

विगत 6 जुलाई को सालासर बाला जी धाम में भी ऐसा ही एक व्यक्तिगत अनुभव मुझे भी देखने को मिला, जहां आम दर से चार गुना दाम वसूल किए गए। इस प्रकार की घटनाएं श्रद्धालुओं की भावनाओं और आस्था को आहत करती हैं। प्रशासन का दायित्व है कि वह ऐसे संवेदनशील धार्मिक स्थलों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ का धरना ऐतिहासिक होगा

- रिटायर्ड कर्मचारी 15 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय पर देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की जिला इकाई की बैठक जवाहर नगर स्थित सूबेसिंह स्मारक में जिला प्रधान मनोहर लाल जाखड़ की अध्यक्षता में हुई। इसमें अपनी मांगों को लेकर 15 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय पर विशाल स्तर पर धरना देने का फैसला लिया गया।

जिला प्रधान मनोहर लाल जाखड़ ने कहा कि लम्बे समय से देश में हर वेतन आयोग की रिपोर्ट अनुसार कर्मचारियों के साथ-साथ रिटायर्ड कर्मचारियों को नियमानुसार पेंशन बढ़ोतरी मिलती आ रही है, कहीं कोई भेदभाव रिटायर्ड कर्मचारियों के साथ नहीं हुआ लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा मार्च में संसद में वित विधेयक 2025 पास किया है जो कि 31 दिसम्बर 2025 से पहले सेवानिवृत कर्मचारियों को वेतन संशोधन के लाभ से वंचित करता है, उन्हें न्यायालय में भी अपील करने का अधिकार नहीं होगा।

इसके विरोध स्वरुप देश के सभी जिला मुख्यालयों में भारी संख्या में विरोध प्रदर्शन करके प्रधानमंत्री व वित मंत्री को ज्ञापन के माध्यम से सचेत किया जाएगा।

वानप्रस्थ संस्था ने मुंशी प्रेमचंद लाइब्रेरी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर की चर्चा

काम नहीं आई निगम की तकनीक, भर गया पार्क में पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

- नियमित तौर पर नहीं की जाती सफाई

मुंशी प्रेमचंद लाइब्रेरी में आयोजित साप्ताहिक मीटिंग भाग लेते संस्था के सदस्य।

जुलाई महीने में बरसात का सभी को बेताबी से इंतज़ार रहता है। राम बरसता है तो हवा में तैर रही धूल बैठने लगती है, पेड़-पौधे और उनके पत्ते धुलने लगते हैं, भूजल लेवल सुधरने लगता है।

तापमान घट जाता है और मौसम खुशनुमा हो जाता है लेकिन बारिश संभल न पाए तो नदियों में बाढ़ आने लगती है, पुल टूटने लगते हैं, शहर झील का नज़ारा देने लगते हैं, यातायात थम जाता है, सड़कें टूटने लगती हैं और बीमारियां घर करने लगती हैं। साल दर साल बारिश न संभल पाने वाली इस स्थिति से सभी परिचित हैं। वानप्रस्थ द्वारा मुंशी प्रेमचंद लाइब्रेरी में आयोजित मीटिंग में शहर के रेन वाटर हार्वेस्टिंग मसले पर चर्चा की गई। एक दौर था जब पर वाटरशेड के रूप में तालाबों की भरमार होती थी, बारिश का पानी धरती में सिमटता चला जाता था और भूजल लेवल बना रहता था। शहरीकरण के दौर में तालाबों को भर कर कलोनियाँ बनाई जाने लगीं जिससे पानी का ज़मीन में प्रवाह रुकता चला गया और भूजल लगातार नीचे चले जाने से शहर डार्कजोन में शामिल होते चले गए। विकल्प के तौर पर बरसाती नाले निर्मित होने लगे लेकिन प्लास्टिक से चोक होते चले जाने की वजह से यह मेकेनिज्म भी नाकाफ़ी सिद्ध होने लगा।

रिचार्ज कुएं का कॉन्सेप्ट पेश किया था

बात साल 2018 की है, सीनियर सिटीजंस ग्रुप वानप्रस्थ के मंच से हरियाणा विद्युत निगम से रिटायर्ड एसई विजय प्रभाकर ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए रिचार्ज कुएं का कॉन्सेप्ट पेश किया। रिचार्ज कुआं कीप-नुमा स्ट्रक्चर है, ऊपरी हिस्सा तीन फुट डायामीटर का कुआँ जो चोए तक जाता है और निचली नली जो रेत की लेयर तक जाती है। ऊपरी हिस्से को पत्थरों का फ़िल्टर बना दिया जाता है और फिल्टर्ड पानी नीचे की नली से रेत में प्रवाहित होने लगता है। इस डिजाईन के आधार पर अर्बन इस्टेट हिसार के शाश्वत पार्क में तीन कुएं बनाए गए। बहुत ही कारगर रही यह पहलकदमी। केवल दो दिनों में 62 एमएम पानी बरसा और पार्क में तीन फुट लेवल तक जमा हो चुका पानी 190 लीटर प्रति मिनट प्रति कुंआ की डिस्चार्ज क्षमता से जमीन में सिमटता चला गया।

नियमित रखरखाव नहीं

शहर में इस समय तीन किस्म की रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स हैं, बरसाती नाले, रिचार्ज कुएं और शाश्वत पार्क में बनाई गई नई स्ट्रक्चर। इन्हें कारगर तभी रखा जा सकता है जब इनका नियमित रखरखाव ओर सफ़ाई होती रहे। इस स्ट्रक्चर्स की सफ़ाई और रखरखाव के लिए निवासियों की भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया गया। मुद्दे को नगर निगम के सामने रखने का प्रस्ताव भी पारित हुआ।